खबर संक्षेप

प्लॉट के फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोपी काबू

खरखौदा। फर्जी दस्तावेज तैयार कर 300 वर्ग गज के प्लॉट की फर्जी रजिस्ट्री कराने और धोखाधड़ी से संपत्ति हड़पने के प्रयास के मामले में थाना खरखौदा पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान खरखौदा निवासी दयानंद के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 27 नवंबर 2025 को एक महिला की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ लोगों ने षड्यंत्र के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट की फर्जी रजिस्ट्री करवा दी और संपत्ति हड़पने का प्रयास किया। जांच के दौरान पुलिस ने रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच की। इस मामले में धर्मेंद्र उर्फ टिंकू, दमन और एक महिला आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। दयानंद गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था, लेकिन गुप्त सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

युवक अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार

खरखौदा। थाना खरखौदा पुलिस ने सांपला बाईपास से एक युवक को अवैध पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक हथियार के साथ बाईपास पर खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को काबू किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान खरखौदा निवासी कृष्ण के रूप में बताई। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया है।

विशाल नगर के जर्जर तार व खंभे का मामला मुख्यमंत्री के दरबार में पहुंचा

एसडीओ-एक्सईएन से समाधान नहीं मिला बिजली समस्या लेकर सीएम विंडो पहुंचे लोग

गली नंबर-8 का टूटा खंभा बदलने और क्षेत्र में सिंगल कोर केबल बिछाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

विशाल नगर में बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए करीब एक महीने से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे लोगों को राहत नहीं मिली। एसडीओ और एक्सईएन को शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर कॉलोनीवासियों ने अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम सीएम विंडो पर शिकायत दर्ज कराकर समाधान की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलोनी में वर्षों पुरानी बिजली लाइनें जर्जर हो चुकी हैं। तार बार-बार गर्म होकर शॉर्ट सर्किट का शिकार हो जाते हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित रहती है और जान-माल का खतरा बना रहता है। कम वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरण भी प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने क्षेत्र में जर्जर तारों की जगह सिंगल कोर केबल बिछाने की मांग की है।

एंगल के सहारे खड़ा खंभा

जाम लगाने के बाद भी बिजली निगम ने नहीं ली सुध

कॉलोनीवासियों ने बताया कि गली नंबर-8 में बिजली का एक खंभा लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। निगम ने उस पर एंगल लगाकर अस्थायी मरम्मत तो कर दी, लेकिन नया खंभा नहीं लगाया गया। उनका कहना है कि यह खंभा कभी भी बड़ा हादसा करा सकता है। निवासियों के अनुसार, 30 जून को एसडीओ और 6 जुलाई को एक्सईएन को लिखित शिकायत दी गई थी। इससे पहले 29 जून को मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर कॉलोनीवासियों ने सड़क जाम भी लगाया था। उस समय अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

तत्काल संज्ञान लेना चाहिए

बिजली निगम के एक्सईएन रणबीर देशवाल ने कहा कि संबंधित शिकायत की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नव नियुक्त अधीक्षण अभियंता (एसई) मनिंद्र कादियान ने कहा कि यदि शिकायत पहले से लंबित है तो संबंधित अधिकारियों को उस पर तत्काल संज्ञान लेना चाहिए।

मुरथल विवि में सप्ताह से बिजली संकट, पढ़ाई और कामकाज प्रभावित

सोनीपत। मुरथल स्थित दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी) में पिछले एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति बाधित रहने से शैक्षणिक गतिविधियों के साथ प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारी संघ का आरोप है कि पूरे सप्ताह में केवल कुछ घंटों के लिए ही बिजली उपलब्ध हुई, जिससे विद्यार्थियों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय आने वाले अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारी संघ के प्रधान सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद संबंधी फाइलें लंबे समय से लंबित हैं। समय पर मंजूरी नहीं मिलने से मरम्मत कार्य प्रभावित हो रहे हैं और देरी के कारण सामग्री के दाम बढ़ने पर दोबारा प्रक्रिया शुरू करनी पड़ती है। उनका कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान मूलभूत सुविधाओं की कमी विश्वविद्यालय की साख पर भी प्रतिकूल असर डाल रही है। कर्मचारी संघ ने यह भी आरोप लगाया कि कर्मचारियों के सर्विस रूल्स तीन वर्ष से लंबित हैं, जिसके कारण पदोन्नति और पे-फिक्सेशन के मामले अटके हुए हैं।

कर्मचारी नेता ने लगाए आरोप वीसी बोले- बिजली व्यवस्था सुचारु

वहीं, कुलपति श्रीप्रकाश सिंह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में बिजली व्यवस्था सुचारु है और कर्मचारी नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पदोन्नति संबंधी मामलों के लिए समिति गठित की जा चुकी है, जिसकी बैठक 15 जुलाई को प्रस्तावित है। कुलपति ने यह भी कहा कि उनका चंडीगढ़ और दिल्ली जाना विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के लिए होता है, न कि किसी एक्सटेंशन के लिए।

पीरगढ़ी में युवक ने फंदा लगाया, मौत से पहले का कथित वीडियो आया सामने

गन्नौर। गांव पीरगढ़ी निवासी 32 वर्षीय युवक ने शनिवार को गांव बेगा-चंदौली मार्ग स्थित एक पीर के लेंटर में लगे सरिये से चादर का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर थाना गन्नौर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल सोनीपत भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक की पहचान प्रदीप उर्फ पोपल के रूप में हुई है।

घटना के बाद एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसे प्रदीप ने आत्महत्या से पहले अपने एक दोस्त को भेजा था। वीडियो में उसका चेहरा दिखाई नहीं देता, लेकिन आवाज में वह कहता सुनाई देता है, तेरा भाई यहां है और अपनी जान देने लग रहा है। तुझे पर कोई उलाहना न किसी की जबरदस्ती है। मैं अपनी खुशी से यह काम कर रहा हूं। बच गया तो ठीक, न बचा तब भी ठीक। मुझ पर न किसी की जबरदस्ती है और न ही मुझे कोई दिक्कत है। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक सतबीर ने बताया कि प्रारंभिक जांच और सामने आए वीडियो के आधार पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

दोस्त से बोला- मैं अपनी खुशी से यह काम कर रहा हूं। बच गया तो ठीक, न बचा तब भी ठीक

पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रदीप शादीशुदा था और पेट्रोल पंप पर कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह दो बच्चों का पिता था। उसकी असामयिक मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

यूट्यूब पर हादसे का वीडियो देखा, तभी बेटे को चला पिता की मौत का पता

सोनीपत। शहर में एक परिवार को अपने मुखिया की मौत की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए मिली। सड़क हादसे का वीडियो यूट्यूब पर देखने के बाद बेटे ने अपने पिता की पहचान की। इसके बाद राई थाना पहुंची पत्नी ने पुलिस द्वारा दिखाई गई तस्वीरों के आधार पर शव की शिनाख्त की। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 7 जुलाई की सुबह करीब चार बजे डायल-112 पर सूचना मिली थी कि जीटी रोड स्थित गोल्डन हट ढाबे के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। प्रारंभिक जांच में मामला किसी अज्ञात वाहन की टक्कर का प्रतीत हुआ। राई थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिलने पर शव को नागरिक अस्पताल सोनीपत के शवगृह में रखवा दिया। पहचान के लिए पुलिस ने मृतक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी साझा की थीं।

पुलिस को जीटी रोड पर मिला था अज्ञात शव, शिनाख्त के लिए पुलिस ने वीडियो किया था अपलोड

10 जुलाई को राई औद्योगिक क्षेत्र की एक निजी कंपनी में कार्यरत रीता यादव परिजनों के साथ थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे गौरव ने यूट्यूब पर हादसे का वीडियो देखा, जिससे उन्हें अपने पिता कांता यादव की मौत की जानकारी मिली। पुलिस के पास मौजूद तस्वीरों से उन्होंने शव की पहचान की। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर निवासी कांता यादव राई गांव में किराये पर रहकर राजमिस्त्री का कार्य करते थे। पुलिस के अनुसार सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से उनकी मौत हुई। आरोपी वाहन की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत पुलिस के मादक पदार्थ धरपकड़ अभियान के तहत क्राइम यूनिट वेस्ट ने प्रतिबंधित दवाइयों की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गांव रायपुर निवासी दीपक पुत्र जय कंवर और गांव आंवली हाल सिक्का कॉलोनी निवासी हनीफ पुत्र चांद के रूप में हुई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों फाजिलपुर-शाहपुर रोड स्थित दीवान फार्म हाउस के पास प्रतिबंधित गोलियां बेच रहे हैं। पुलिस ने मौके पर छापा मारकर दोनों को काबू किया। तलाशी के दौरान हनीफ से 250 और दीपक से 240 प्रतिबंधित गोलियां बरामद हुईं। दोनों के पास दवाइयों से संबंधित कोई लाइसेंस या परमिट नहीं मिला। इस संबंध में थाना सेक्टर-27 में मादक द्रव्य पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना सेक्टर-27 की अनुसंधान टीम के सहायक उप निरीक्षक संजीव ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

खरखौदा के विकास में कोई कमी नहीं रहेगी : मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

नगर पालिका खरखौदा के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश मुख्यालय चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा निकाय मंत्री विपुल गोयल से शिष्टाचार भेंट कर वार्ड स्तर पर विशेष बजट का प्रावधान किए जाने पर उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान पार्षदों ने मुख्यमंत्री और मंत्री को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की तथा खरखौदा शहर के विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि पूर्व की भांति उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

- पार्षदों ने वार्डों के लिए विशेष ग्रांट देने पर सीएम का आभार जताया

लापरवाह अफसर सहन नहीं

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। पार्षदों ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री और निकाय मंत्री को ज्ञापन सौंपकर मांग की थी कि

वार्ड स्तर पर विकास कार्यों के लिए पार्षदों को अलग से बजट उपलब्ध कराया जाए, ताकि स्थानीय समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। इस मांग पर त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने निगम क्षेत्रों में प्रत्येक वार्ड के लिए 6 लाख रुपये, नगर परिषद क्षेत्रों में 3 लाख रुपये तथा नगर पालिका क्षेत्रों में 1.50 लाख रुपये के विशेष बजट का प्रावधान किया है। प्रतिनिधिमंडल में नगर पालिका खरखौदा के पार्षद एवं सोनीपत व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष अनूप सिंह ठेकेदार, पार्षद नवीन दहिया, जसबीर, प्रमोद इंदौरा, रविंद्र इंदौरा, अनिल, सीताराम सैनी, पूर्व सरपंच नरेंद्र सिंह खुर्मपुर तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष करतार सिंह जांगड़ा सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

South Point
GROUP OF EDUCATION
(DELHI-NCR) SONEPAT
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
ADMISSIONS OPEN
SOUTH POINT INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
M.Tech (CSE, ECE) • BBA, BCA, MBA, MCA
Sunday Open
SOUTH POINT SCHOOL OF POLYTECHNIC
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECTRICAL, MECHANICAL, CIVIL, MLT)
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. - Medical/Non-Medical (NEP), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
M.Sc. (Phy., Chem., Maths) • M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
SOUTH POINT P.G. COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B. Pharm / LEET
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
CBSE AFFILIATED SR. SEC. SCHOOLS
DILBAG S. KHATRI
Chairman
www.southpoint.net.in

चोरी के संदेह में बच्चे से मारपीट का वीडियो वायरल

करंट लगाने की चर्चा, जांच में जुटी पुलिस

सोनीपत। शहर के सेक्टर-15 स्थित हाउसिंग बोर्ड मार्केट में चोरी के संदेह में एक बालक के साथ कथित मारपीट और अमानवीय व्यवहार का मामला सामने आया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी है। हालांकि हरिभूमि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता। मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। वायरल वीडियो में दो व्यक्ति एक बालक के साथ मारपीट करते और उसके हाथ-पैर मरोड़ते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में बालक रोते हुए अपनी मां को बुलाने की गुहार लगाता सुनाई देता है। सोशल मीडिया पर यह दावा भी किया जा रहा है कि बच्चे को किसी विद्युत उपकरण से करंट लगाया गया, लेकिन पुलिस ने फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की है। जानकारी के अनुसार, मार्केट की एक दुकान से बाइक की बैटरी चोरी होने के संदेह में बालक को पकड़ लिया गया था। आरोप है कि इसके बाद उसे दुकान के अंदर ले जाकर पीटा गया। बताया जा रहा है कि घटना के समय वह अन्य बच्चों के साथ वहां पहुंचा था, जबकि बाकी बच्चे चले गए और संदेह के आधार पर उसे रोक लिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर प्रारंभिक पूछताछ की। पुलिस के अनुसार किसी ने मामले में लिखित शिकायत नहीं दी।

- पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने में बुलाकर की पूछताछ

हरिभूमि राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक एवं जनता TV
हरियाणवी म्यूज़िक अवार्ड 2026
हरियाणवी संगीत का गौरव
हरियाणवी संस्कृति, हमारी पहचान
1 अगस्त 2026 शनिवार
जीवीएम गर्ल्स कॉलेज, मुरथल रोड, सोनीपत (हरियाणा)
नॉमिनेशन का आज अंतिम दिन
Category
> Haryanvi Rapper of the Year (Male & Female)
> Haryanvi Ragni Singer of the Year (Ghada-Bhenjo) (Male & Female)
> Haryanvi Ragni Singer of the Year (Pakka Saaz) (Male & Female)
> Haryanvi Desi Pop Singer of the Year (Male & Female)
> Haryanvi Devotional Singer of the Year (Male & Female)
> Haryanvi Lyricist of the Year
> Haryanvi Music Composer of the Year
> Haryanvi Master/Mixer of the Year
> Haryanvi Most Melodious Song of the Year
Only for songs released from 1 January 2025 to 31 December 2025
नॉमिनेशन के लिए
क्यूआर कोड को स्कैन करें
or visit our website at :
www.haribhoomi.com
Last Date : 12 July 2026
नॉमिनेशन के लिए पात्रता
- केवल हरियाणवी बोली में जारी किए गए गीत ही नामांकन हेतु मान्य होंगे।
- गीत/संगीत कृति का आधिकारिक रिलीज वर्ष 2025 (1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025) के बीच होना अनिवार्य है।
- नामांकन संबंधित श्रेणियों के अनुसार गायक/गायिका, रैपर, गीतकार, संगीतकार, म्यूजिक मिक्सर एवं अन्य पात्र कलाकारों द्वारा किया जा सकता है।
- अगर आप एक से ज्यादा कैटेगरी के लिए खुद को नॉमिनेट करना चाहते हैं, तो आपको हर कैटेगरी के लिए अलग-अलग नॉमिनेशन फॉर्म भरना होगा।
- नॉमिनेशन फॉर्म केवल नॉमिनी या उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा ही भरा जा सकता है।
- कृपया सभी जानकारी सही एवं पूर्ण रूप से भरें। आयोजन समिति आवश्यक होने पर सभी प्रविष्टियों एवं दस्तावेजों का सत्यापन करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अपूर्ण अथवा गलत जानकारी वाले आवेदन निरस्त किए जा सकते हैं।
- सभी नॉमिनेशन का मूल्यांकन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
- किसी भी कैटेगिरी में पांच से कम प्रतिभागी/नॉमिनी रहने पर उस कैटेगिरी को रद्द कर दिया जाएगा।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 7404443155 advthbtv@gmail.com

■ निवेशकों के साथ उद्योग की भी पहली पसंद बन रही चांदी

चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका रहा, बनाए रखें नजर

निवेशकों को सोने में 2 से 3 प्रतिशत तो चांदी में 5 से 8 प्रतिशत का लाभ

सोना, रुपया, क्रिप्टो व कॉपर तय कर रहे हैं चांदी की चाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इसे वैश्विक अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर भी कहा जाता है। जब उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो कॉपर की मांग बढ़ जाती है। चूंकि चांदी का उपयोग भी इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, बैटरी, मेडिकल उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और कई आधुनिक तकनीकों में होता है, इसलिए कॉपर की तेजी कई बार चांदी की मांग बढ़ने का संकेत भी देती है। यही वजह है कि निवेशक कॉपर की कीमतों पर भी नजर रखते हैं।

चांदी को अक्सर सोने का विकल्प माना जाता है, लेकिन इसकी कीमत तय होने का तरीका सोने से कहीं अधिक जटिल है। यही कारण है कि कई बार जब सोना मामूली बढ़ता या घटता है, तब चांदी में कहीं अधिक तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। इसके पीछे सिर्फ मांग और आपूर्ति नहीं, बल्कि सोने की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, बिटकॉइन जैसे डिजिटल निवेश, कॉपर की चाल और वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम भी जिम्मेदार होते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चांदी एक ऐसी धातु है, जिसका इस्तेमाल निवेश के साथ-साथ उद्योगों में भी बड़े पैमाने पर होता है। इसलिए इसकी कीमत पर कई तरह के कारकों का एक साथ असर पड़ता है। यही वजह है कि चांदी का बाजार अक्सर निवेशकों को चौंका देता है।

सोना बढ़े तो चांदी क्यों दौड़ने लगती है?

सोना और चांदी दोनों को सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, युद्ध या वित्तीय संकट जैसे हालात बनते हैं, तब निवेशक सोने और चांदी में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे समय में दोनों धातुओं की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है। हालांकि, चांदी का बाजार सोने की तुलना में छोटा है। यही कारण है कि निवेश का थोड़ा-सा अतिरिक्त प्रवाह भी इसकी कीमतों में बड़ा बदलाव ला सकता है। कई बार सोने में 2 से 3 प्रतिशत की तेजी के मुकाबले चांदी 5 से 8 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इसी वजह से चांदी को अधिक उतार-चढ़ाव वाली कीमती धातु माना जाता है।

रुपये की मजबूती और कमजोरी का सीधा असर

भारत अपनी जरूरत का अधिकांश चांदी विदेशों से आयात करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के साथ-साथ डॉलर और रुपये की विनिमय दर भी घरेलू बाजार में अहम भूमिका निभाती है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है तो आयात महंगा हो जाता है। इससे भारतीय बाजार में चांदी की कीमत बढ़ जाती है, भले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत स्थिर हो। वहीं, रुपया मजबूत होने पर आयात लागत कम हो सकती है और कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है। यही कारण है कि विदेशी मुद्रा बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव पर चांदी के कारोबारी और निवेशक लगातार नजर बनाए रखते हैं।

बिटकॉइन का बढ़ता प्रभाव

डिजिटल युग में बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी निवेश की दुनिया का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि कई निवेशक अपने पोर्टफोलियो में सोना, चांदी और बिटकॉइन को वैकल्पिक निवेश के रूप में रखते हैं। जब क्रिप्टो बाजार में तेजी आती है तो कुछ निवेशक कीमती धातुओं से पैसा निकालकर बिटकॉइन में लगाते हैं। इसके विपरीत, जब बिटकॉइन में तेज गिरावट आती है या जोखिम बढ़ता है, तब निवेशक सुरक्षित विकल्प के तौर पर फिर से सोना और चांदी की ओर लौटते हैं। यही बदलाव चांदी की कीमतों में भी दिखाई देता है। कॉपर यानी तांबा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक धातुओं में शामिल है।

ग्रीन एनर्जी ने बढ़ाई उम्मीदें

दुनिया तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रही है। सोलर पैनलों के निर्माण में चांदी का महत्वपूर्ण उपयोग होता है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और नई ऊर्जा तकनीकों में भी इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में यदि ग्रीन एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार इसी गति से जारी रहा तो चांदी की औद्योगिक मांग और मजबूत होगी। इससे इसकी कीमतों को दीर्घकाल में समर्थन मिल सकता है।

वैश्विक घटनाओं से भी बदलती है दिशा

चांदी की कीमत केवल घरेलू कारणों से तय नहीं होती। अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दरें, डॉलर इंडेक्स, महंगाई के आंकड़े, कच्चे तेल की कीमतें और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव भी इसकी चाल बदल सकते हैं।
यदि ब्याज दरें घटने की संभावना बनती है तो निवेशक कीमती धातुओं की ओर आकर्षित होते हैं। वहीं, डॉलर मजबूत होने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी पर दबाव आ सकता है। इसी तरह युद्ध, व्यापारिक विवाद या वैश्विक आर्थिक मंदी जैसी घटनाएं भी निवेशकों की रणनीति बदल देती हैं।

निवेशकों के लिए सीख?

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में निवेश केवल कीमत देखकर नहीं करना चाहिए। निवेश से पहले यह समझना जरूरी है कि बाजार में तेजी या गिरावट की वजह क्या है। यदि तेजी केवल किसी अस्थायी घटना के कारण है तो निवेश में सावधानी बरतनी चाहिए।

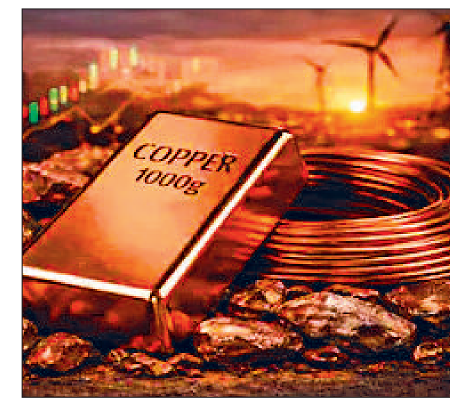

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चरणबद्ध निवेश (एसआईपी या नियमित अंतराल पर खरीद) अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव का असर कम हो सकता है। चांदी की कीमतों में बार-बार होने वाले बदलाव के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। सोने की चाल, रुपये की स्थिति, बिटकॉइन में निवेशकों का रुझान, कॉपर की मांग, औद्योगिक उपयोग और वैश्विक आर्थिक घटनाएं मिलकर इसकी दिशा तय करती हैं। यही वजह है कि चांदी कभी तेज रफ्तार से चमकती है तो कभी अचानक फिसल जाती है। आने वाले समय में ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिक तकनीक में बढ़ते उपयोग के कारण चांदी की मांग मजबूत रहने की संभावना है। हालांकि, निवेशकों को इसकी अस्थिर प्रकृति को समझते हुए सोच-समझकर और संतुलित रणनीति के साथ निवेश करना चाहिए।

रेस्टोरेंट या क्लाउड किचन, किस बिजनेस में है ज्यादा मुनाफा?

बिजनेस डेस्क

भारत का फूड बिजनेस तेजी से बदल रहा है। कुछ साल पहले तक रेस्टोरेंट खोलना ही इस क्षेत्र में सफलता का सबसे बड़ा रास्ता माना जाता था, लेकिन ऑनलाइन फूड डिलीवरी के बढ़ते चलन ने तस्वीर बदल दी है। अब कम लागत में शुरू होने वाले क्लाउड किचन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यही वजह है कि नए उद्यमियों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि रेस्टोरेंट खोलें, क्लाउड किचन शुरू करें या दोनों का मिश्रित यानी हाइब्रिड मॉडल अपनाएं। विशेषज्ञों का मानना है कि सही बिजनेस मॉडल का चुनाव केवल लागत के आधार पर नहीं, बल्कि लक्ष्य, बजट, ग्राहकों की पसंद और स्थानीय बाजार की मांग को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

क्या है क्लाउड किचन मॉडल?

क्लाउड किचन ऐसा किचन होता है, जहां केवल खाना तैयार किया जाता है और उसकी बिक्री ऑनलाइन ऑर्डर के माध्यम से होती है। इसमें ग्राहकों के बैठने, सजावट, सर्विस स्टाफ या बड़े शोरूम की जरूरत नहीं होती। ऑर्डर सीधे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म या खुद के ऐप और वेबसाइट के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाए जाते हैं। कम जगह और सीमित कर्मचारियों के कारण इसकी शुरुआती लागत पारंपरिक रेस्टोरेंट की तुलना में काफी कम होती है। यही वजह है कि छोटे निवेश वाले उद्यमी इसे तेजी से अपना रहे हैं।

रेस्टोरेंट की सबसे बड़ी ताकत क्या

रेस्टोरेंट केवल खाना बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्राहकों को एक अनुभव भी देता है। परिवार के साथ डिनर, दोस्तों की पार्टी, जन्मदिन का आयोजन या बिजनेस मीटिंग जैसी जरूरतों के लिए लोग आज भी रेस्टोरेंट का रुख करते हैं। यहीं पर ब्रांड की पहचान भी मजबूत होती है। अच्छा माहौल, बेहतर सेवा और स्वाद ग्राहकों को दोबारा आने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके अलावा पेय पदार्थ, डेजर्ट और अन्य अतिरिक्त उत्पादों की बिक्री से भी रेस्टोरेंट की आय बढ़ती है।

कम लागत से बढ़त बनाते हैं क्लाउड किचन

क्लाउड किचन का सबसे बड़ा फायदा इसकी कम परिचालन लागत है। महंगे इंटीरियर, बड़े हॉल, अतिरिक्त कर्मचारियों और प्रमुख बाजार में दुकान लेने की जरूरत नहीं होती। इससे किराया, बिजली और रखरखाव का खर्च काफी कम हो जाता है। कम खर्च के कारण यदि बिक्री अच्छी हो तो मुनाफे की संभावना भी बढ़ जाती है। यही वजह है कि कई नए फूड ब्रांड पहले क्लाउड किचन से शुरुआत करते हैं और बाद में रेस्टोरेंट की ओर बढ़ते हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी ने खोले नए अवसर

भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के साथ ऑनलाइन खाना मंगाने का चलन भी तेजी से बढ़ा है। बड़े शहरों के साथ अब छोटे शहरों में भी लोग मोबाइल ऐप के जरिए खाना ऑर्डर कर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा क्लाउड किचन को मिला है। बिना अलग-अलग इलाकों में महंगे रेस्टोरेंट खोले भी एक ब्रांड कई क्षेत्रों में ग्राहकों तक पहुंच सकता है। इससे विस्तार आसान और अपेक्षाकृत कम खर्चीला हो जाता है।

हाइब्रिड मॉडल क्यों बन रहा है पसंद

फूड इंडस्ट्री में अब कई बड़े ब्रांड हाइब्रिड मॉडल अपना रहे हैं। इसमें एक या दो प्रमुख स्थानों पर रेस्टोरेंट चलाया जाता है, जबकि शहर के अन्य हिस्सों में क्लाउड किचन के जरिए ऑनलाइन ऑर्डर पूरे किए जाते हैं। इस मॉडल से एक तरफ ग्राहकों के बीच ब्रांड की पहचान मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर कम लागत में अधिक क्षेत्रों तक पहुंच बनाना संभव हो जाता है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इसे भविष्य का संतुलित बिजनेस मॉडल मानते हैं। किसी भी फूड बिजनेस की सफलता केवल मॉडल पर निर्भर नहीं करती। सबसे पहले स्थानीय बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा, ग्राहकों की पसंद और निवेश क्षमता का आकलन करना जरूरी है।

मुश्किल वक्त की ढाल है सोना, ऐसे कर सकते हैं पैसों का इंतजाम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि गोल्ड लोन केवल जरूरत पड़ने पर ही लेना चाहिए। रोजमर्रा के खर्च, गैर-जरूरी खरीदारी या विलासिता की वस्तुओं के लिए आभूषण गिरवी रखना उचित नहीं माना जाता। यह विकल्प उन परिस्थितियों के लिए बेहतर है, जहां अचानक धन की जरूरत हो और उसके बदले कोई सस्ता व तेज विकल्प उपलब्ध न हो।

भारतीय परिवारों में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि बचत और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। शादी-ब्याह, त्योहार और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर लोग वर्षों तक सोना खरीदते हैं। लेकिन जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ती है तो कई परिवारों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या अपनी जमा-पूंजी बेच दी जाए या कोई दूसरा रास्ता अपनाया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में सोना बेचने के बजाय उसके बदले गोल्ड लोन लेना अधिक समझदारी भरा विकल्प हो सकता है। गोल्ड लोन की खास बात यह है कि इसमें आपको अपने आभूषण बेचने की जरूरत नहीं पड़ती। बैंक या वित्तीय संस्थान सोने को गिरवी रखकर उसकी कीमत के आधार पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण सुरक्षित वापस मिल जाते हैं। इस कारण यह विकल्प उन परिवारों के लिए उपयोगी माना जाता है, जिन्हें कम समय के लिए धन की आवश्यकता होती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। किसी परिवार में बीमारी, बच्चों की पढ़ाई, शादी, कारोबार के लिए कार्यशील पूंजी, खेती-किसानी या अन्य आपात स्थिति में तत्काल नकदी की जरूरत महसूस हो सकती है। ऐसे समय में यदि पर्याप्त बचत उपलब्ध न हो, तो लोग अक्सर सोना बेचने का निर्णय लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जरूरत अस्थायी है और कुछ महीनों में पैसा लौटाने की क्षमता है, तो सोना बेचने के बजाय गोल्ड लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। इससे परिवार की वर्षों की बचत भी सुरक्षित रहती है और जरूरत का पैसा भी मिल जाता है। गोल्ड लोन की राशि आपके पास मौजूद सोने की शुद्धता और बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाती है। आमतौर पर अधिक शुद्ध सोने पर अधिक ऋण मिलने की संभावना रहती है। हालांकि, वित्तीय संस्थान नियामकीय नियमों के अनुसार सोने के मूल्य का एक निश्चित हिस्सा ही ऋण के रूप में देते हैं। लोन स्वीकृत होने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत तेज होती है। जरूरी दस्तावेज पूरे होने पर कई मामलों में उसी दिन या कुछ घंटों के भीतर राशि खाते में जमा हो सकती है।

सोना बेचने और गिरवी रखने में क्या अंतर है

सोना बेचने पर वह हमेशा के लिए आपके हाथ से निकल जाता है। यदि भविष्य में उसकी कीमत बढ़ती है तो उसका लाभ भी आपको नहीं मिल पाता। दूसरी ओर, गोल्ड लोन में आभूषण आपकी संपत्ति बने रहते हैं। लोन चुकाने के बाद वही आभूषण वापस मिल जाते हैं। यही वजह है कि वित्तीय सलाहकार गोल्ड लोन को अल्पकालिक जरूरतों के लिए उपयोगी मानते हैं, जबकि स्थायी वित्तीय संकट में अन्य विकल्पों पर भी विचार करने की सलाह देते हैं।

लोन लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

गोल्ड लोन लेने से पहले ब्याज दर, प्रोसेसिंग शुल्क, भुगतान की अवधि और समय पर किस्त चुकाने की क्षमता का आकलन जरूर करें। अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थान अलग शर्तों पर ऋण उपलब्ध कराते हैं। इसलिए एक से अधिक संस्थानों की शर्तों की तुलना करना लाभदायक हो सकता है। यह भी समझना जरूरी है कि समय पर लोन का भुगतान नहीं होने पर अतिरिक्त ब्याज या अन्य शुल्क लग सकते हैं। लंबे समय तक भुगतान न होने की स्थिति में गिरवी रखा सोना नीलामी की प्रक्रिया तक पहुंच सकता है।

डिजिटल सुविधाओं से हुई प्रक्रिया आसान

पिछले कुछ वर्षों में गोल्ड लोन की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक हुई है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान ऑनलाइन आवेदन, दस्तावेज सत्यापन और लोन से जुड़ी जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा रहे हैं। इससे ग्राहकों का समय बचता है और प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनती है।

क्या करें

- आपातकालीन जरूरत होने पर ही गोल्ड लोन लेने का फैसला करें।
- लोन लेने से पहले अलग-अलग बैंक और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर और अन्य शुल्क की तुलना करें।
- केवल उतनी ही राशि का लोन लें, जितनी वास्तव में जरूरी हो।
- लोन की अवधि और किस्तों का भुगतान समय पर करें, ताकि अतिरिक्त ब्याज या जुर्माने से बचा जा सके।
- गिरवी रखने से पहले सोने के आभूषणों का वजन और शुद्धता की जानकारी अपने पास सुरक्षित रखें।
- लोन से जुड़े सभी दस्तावेज और रसीदें संभालकर रखें।

क्या न करें

- गैर-जरूरी खर्च, लग्जरी सामान या छुट्टियां मनाने के लिए गोल्ड लोन न लें।
- केवल जल्दी पैसा मिलने के लालच में बिना शर्तें पढ़े किसी भी संस्था से लोन न लें।
- किस्तों का भुगतान टालने की गलती न करें, इससे ब्याज बढ़ सकता है और सोने की नीलामी का जोखिम भी पैदा हो सकता है।
- जरूरत से ज्यादा लोन लेकर भविष्य पर अनावश्यक वित्तीय बोझ न बढ़ाएं।
- किसी अनधिकृत या अविश्वसनीय संस्था के पास अपने आभूषण गिरवी न रखें।
- लोन की शर्तों, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को नजरअंदाज न करें।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए बाजार का ठहराव भी बन सकता है सुनहरा अवसर

शेयर बाजार में गिरावट का इंतजार नहीं करें, जारी रखें अपना निवेश

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग एक ही सवाल पूछते हैं क्या अभी निवेश करें या बड़ी गिरावट का इंतजार करें? यह दुविधा नए निवेशकों में सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। कई लोग मानते हैं कि बाजार में तेज गिरावट आने के बाद निवेश करना ही सबसे अच्छा फैसला होता है। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि केवल क्रैश का इंतजार करना कई बार महंगा साबित हो सकता है। यदि किसी निवेशक का लक्ष्य लंबी अवधि में संपत्ति बनाना है, तो अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश शुरू करना अधिक व्यावहारिक रणनीति हो सकती है। शेयर बाजार का सबसे कठिन काम यह तय करना है कि बाजार कब सबसे नीचे पहुंचेगा और कब सबसे ऊपर होगा। वास्तविकता यह है कि कोई भी निवेशक या विशेषज्ञ लगातार यह सटीक अनुमान नहीं लगा सकता। कई बार बाजार बिना किसी बड़ी गिरावट के ही नई ऊंचाइयों पर पहुंच जाता है। ऐसे में जो निवेशक केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करते रहते हैं, वे अच्छे अवसर गंवा देते हैं।

ठहरा हुआ बाजार देता है सोचने का मौका

जब बाजार लगातार तेजी में होता है तो निवेशक अक्सर जल्दबाजी में फैसले लेते हैं। इसके विपरीत, जब बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता है या कुछ समय तक ठहरा रहता है, तब निवेशकों के पास कंपनियों का मूल्यांकन करने का समय मिलता है। यही वह दौर होता है, जब किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का शांत दिमाग से विश्लेषण किया जा सकता है। ऐसे समय में चुने गए मजबूत शेयर लंबी अवधि में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

चरणबद्ध निवेश बेहतर

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार की दिशा का अनुमान लगाने के बजाय नियमित अंतराल पर निवेश करना ज्यादा प्रभावी रणनीति है। यदि निवेशक हर महीने या तय समय पर अच्छी कंपनियों में निवेश करता है, तो बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत प्रभाव कम हो जाता है। यही कारण है कि म्यूचुअल फंड में एसआईपी और शेयरों में नियमित निवेश की रणनीति को लंबे समय के लिए उपयोगी माना जाता है। इससे निवेशक को बाजार के हर स्तर पर खरीदारी का अवसर मिलता है। हर गिरावट निवेश का अवसर नहीं होती। निवेश करने से पहले यह देखना जरूरी है कि कंपनी का कारोबार मजबूत है या नहीं। केवल सस्ती कीमत देखकर शेयर खरीदना सही रणनीति नहीं मानी जाती।

भावनाओं से नहीं, योजना से करें निवेश

शेयर बाजार में सबसे बड़ी चुनौती निवेशक की अपनी भावनाएं होती हैं। तेजी के समय लालच और गिरावट के समय डर अक्सर गलत फैसलों की वजह बनते हैं। कई निवेशक तेजी में ऊंचे भाव पर खरीदते हैं और गिरावट में नुकसान पर बेच देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश हमेशा पहले से तय योजना के अनुसार होना चाहिए। यदि किसी कंपनी के मूलभूत आधार मजबूत हैं, तो बाजार में अस्थायी गिरावट घबराने का कारण नहीं बननी चाहिए।

> **अच्छी कंपनियों में चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक व्यावहारिक रणनीति**

तीन से पांच साल का नजरिया रखिए

यदि निवेश का लक्ष्य कुछ महीनों का है, तो बाजार का उतार-चढ़ाव चिंता का विषय बन सकता है। लेकिन जिन निवेशकों का लक्ष्य तीन से पांच वर्ष या उससे अधिक का है, उनके लिए अल्पकालिक गिरावट का महत्व कम हो जाता है। भारत की अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, बैंकिंग, डिजिटल सेवाओं, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश बढ़ रहा है। यदि यह रफ्तार बनी रहती है, तो मजबूत कंपनियों को इसका लाभ मिल सकता है।

शेयर बाजार में निवेश हमेशा जोखिम के साथ आता है। कोई भी शेयर या सेक्टर लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। इसलिए पूरा पैसा एक ही कंपनी या एक ही सेक्टर में लगाने के बजाय विविधीकरण करना बेहतर माना जाता है।

सही रणनीति अपनाएं

शेयर बाजार में सफलता केवल सही समय का इंतजार करने से नहीं, बल्कि सही रणनीति अपनाने से मिलती है। यदि निवेशक मजबूत कंपनियों का चयन करें, नियमित निवेश बनाए रखें और लंबी अवधि का नजरिया रखें, तो बाजार का मौजूदा ठहराव भी भविष्य की बेहतर कमाई का आधार बन सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा रहेगा, लेकिन धैर्य, अनुशासन और सही कंपनियों का चुनाव ही निवेश को सफल बनाता है। इसलिए केवल बड़ी गिरावट का इंतजार करने के बजाय सोच-समझकर और चरणबद्ध तरीके से निवेश की शुरुआत करना अधिक व्यावहारिक कदम माना जा सकता है।

यह करना चाहिए

- निवेश से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि तय करें।
- मजबूत बुनियादी स्थिति (फंडामेंटल) वाली कंपनियों में ही निवेश करें।
- एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करें।
- अलग-अलग सेक्टरों और कंपनियों में निवेश कर पोर्टफोलियो को विविध बनाएं।
- कंपनी के वित्तीय नतीजों, कर्ज, प्रबंधन और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करें।
- बाजार में गिरावट आने पर घबराने के बजाय अपनी निवेश रणनीति की समीक्षा करें।
- लंबी अवधि का नजरिया रखें और धैर्य बनाए रखें।

यह नहीं करें

- केवल शेयर बाजार में बड़ी गिरावट (क्रैश) का इंतजार करते हुए निवेश टालते न रहें।
- सोशल मीडिया, अफवाहों या बिना रिसर्च के शेयर न खरीदें।
- लालच या डर में आकर बार-बार खरीद-बिक्री न करें।
- पूरा निवेश एक ही शेयर या एक ही सेक्टर में न लगाएं।
- उधार लेकर या आपातकालीन जरूरत के पैसे से शेयर बाजार में निवेश न करें।
- हर दिन के उतार-चढ़ाव को देखकर अपनी लंबी अवधि की रणनीति न बदलें।

-बिना जोखिम समझे केवल पिछले रिटर्न देखकर किसी शेयर में निवेश न करें।

खबर संक्षेप

बुजुर्गों संग मनाया वृष्टि ने आठवां जन्मदिन

सोनीपत। समाज कल्याण शिक्षा समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में शनिवार को गांव निर्थान निवासी वृष्टि, पुत्री अजय एवं पौत्री सिंह राम ने अपना आठवां जन्मदिन आश्रम में रह रहे बेसहारा बुजुर्गों के साथ मनाया। वृष्टि लगातार चार वर्षों से अपना जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाकर बुजुर्गों की सेवा का संदेश दे रही है। परिजनों के अनुसार जब वृष्टि से जन्मदिन मनाने की इच्छा पूछी गई तो उसने कहा कि वह इस बार भी अपना जन्मदिन आश्रम में बुजुर्गों के साथ ही मनाना चाहती है। इसके बाद उसके पिता अजय, दादा सिंह राम, दादी राजबाला, माता मजू मलिक, छोटे भाई-बहन और परिवार के अन्य सदस्य आश्रम पहुंचे थे।

शिक्षकों को दायित्व के बारे में अवगत करवाया

गोहाना। गीता विद्या मंदिर, गोहाना में मासिक आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आचार्यों के व्यक्तित्व, शिक्षण कौशल एवं संगठनात्मक दक्षता का विकास रहा। अध्यक्षता प्राचार्य अश्विनी कुमार ने की।

विद्या भारती की आचार्य की संकल्पना विषय पर शिशु वाटिका प्रमुख सुनीता वर्मा ने आचार्यों को उनके दायित्व एवं संस्कारयुक्त शिक्षण पर प्रकाश डाला। दक्षता वर्ग प्रभारी विनिका एवं देवेंद्र कुमार ने व्यवस्था संचालन किया। प्रातःकालीन योग सत्र में रवींद्र बत्रा ने यौगिक क्रियाएं करवाई। अमृत वचन कोमल तथा कविता वाचन ललिता ने किया। प्राचार्य ने अधिगम सामग्री प्रस्तुत की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव दिए गए।

प्रत्येक केंद्र पर 300 से ज्यादा विद्यार्थियों की सूची

बोर्ड परीक्षा में अंक सुधार का मौका, जिले में 4 केंद्र बनाए

नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार परीक्षा देकर अंक सुधार का दिया जा रहा अवसर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

सोनीप। सोनीपत के मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या महाविद्यालय। *फोटो : हरिभूमि*

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एचबीएसई) की कक्षा 10वीं व 12वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम में अंक सुधार व कंपार्टमेंट के विद्यार्थियों को अपनी नैय्या पार लगाने का पुनः मौका मिला है। परीक्षा के लिए शहर में चार केंद्र बनाए गए हैं। इनमें मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय, बड़ा बाजार स्थित आर्य कन्या विद्यालय, जटवाड़ा स्थित राजकीय वमावि व काठ मंडी स्थित आर्य वमावि शामिल हैं। हालांकि कक्षा 12वीं की विभिन्न विषयों पर 9 जुलाई को परीक्षा संपन्न हो चुकी है, जबकि कक्षा 10वीं की विभिन्न विषयों की परीक्षा के लिए 18 जुलाई तक शेड्यूल जारी किया गया है। बता दें कि इस वर्ष बोर्ड की कक्षा 10वीं व 12वीं की वार्षिक परीक्षा 27 फरवरी से 2 अप्रैल तक हुई थी। इसके बाद बोर्ड ने सैकेंडरी व सीनियर सैकेंडरी कक्षाओं के विद्यार्थियों को अंक सुधार के लिए अप्रैल माह में द्वितीय वार्षिक परीक्षा के लिए आवेदन की छूट प्रदान की थी। विद्यार्थियों से बिना किसी विलंब शुल्क के 12 अप्रैल तक अपना आवेदन प्राप्त किए गए थे। इसके बाद बोर्ड प्रबंधन ने पुनः परीक्षाओं का शेड्यूल जारी किया है। गौरतलब है कि जिले में कक्षा 10वीं में 15205 विद्यार्थियों में से 13,938 ने परीक्षा को पास किया था। इस बार प्रदेश में सोनीपत का परीक्षा परिणाम छठे स्थान पर रहा था। वहीं 12वीं कुल 14589 विद्यार्थियों में से 12655 ने परीक्षा को उत्तीर्ण किया, जबकि 1437 विद्यार्थी कंपार्टमेंट और 497 विद्यार्थी फेल हो गए थे। नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को वर्ष में दो बार परीक्षा देने का अवसर दिया जा रहा है, ताकि वह अपने अंकों में सुधार कर सकें। फरवरी-मार्च 2026 में बोर्ड की वार्षिक परीक्षा देने वाले ऐसे विद्यार्थी जो परीक्षा परिणाम से संतुष्ट नहीं हैं या कंपार्टमेंट वालों में शामिल हैं। ऐसे इच्छुक विद्यार्थियों को अतिरिक्त विषय को छोड़कर अधिकतम तीन विषयों की पुनः परीक्षा में शामिल होने का अवसर दिया गया है। इनमें वह विद्यार्थी भी शामिल हैं, जो मार्च में हुई बोर्ड की वार्षिक परीक्षा में किन्हीं कारणों जैसे गंभीर बीमारी, चोट, खेल या सांस्कृतिक प्रतियोगिता के चलते शामिल नहीं हो पाए थे।

कल गणित की परीक्षा देंगे 10वीं के विद्यार्थी

जिले में चार परीक्षा केंद्रों पर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा का समय निर्धारित किया गया है। कक्षा 10वीं की 10 जुलाई को अंग्रेजी की परीक्षा हुई। अब 13 जुलाई को गणित (स्टैंडर्ड व बेसिक), 14 को हिंदी, 15 को सामाजिक विज्ञान, 16 को विज्ञान, 17 को पंजाबी, संस्कृत व्याकरण, 18 जुलाई को संस्कृत, उर्दू, संस्कृत साहित्य, एनएसक्यूएफ, गृह विज्ञान, ड्राइंग, कृषि, कंप्यूटर विज्ञान, फिजिकल एंड हेल्थ एजुकेशन, म्यूजिक जैसी विषयों की परीक्षा होगी। बताया जा रहा है कि एक परीक्षा केंद्र पर सोमवार को कक्षा 10वीं की परीक्षा में 306 विद्यार्थी के शामिल होने की सूची है, जबकि 9 जुलाई को एक केंद्र पर कक्षा 12वीं के 312 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय की परीक्षा दी।

उल्लंघन पर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा-163 के तहत आदेश जारी किए गए हैं। 18 जुलाई तक होने वाली परीक्षाओं के दौरान केंद्रों के 200 मीटर दायरे में धारा-163 लागू रहेगी। ऐसे में केंद्रों के आसपास अनाधिकृत व्यक्तियों की आवाजाही, फोटोस्टेट मशीनों के संचालन व हथियार लेकर आने पर रहेगा प्रतिबंध। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या नियमों के उल्लंघन पर लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

-नेहा सिंह, उपायुक्त, सोनीपत

नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से मोहा सबका मन

- अभिभावकों से समन्वय स्थापित करने को ओरिएंटेशन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

खरखौदा। शिक्षकों-अभिभावकों संग पुरस्कृत विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा में नर्सरी से प्रथम कक्षा तक के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए /"पेरेंट्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम/" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय एवं अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बच्चों के सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव रखना था। कार्यक्रम के दौरान नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, समूह नृत्य, कविता एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अभिभावकों की खूब तालियां बटोरीं। बच्चों के आत्मविश्वास, प्रतिभा और आकर्षक प्रस्तुति की सभी ने सराहना की। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी यादगार एवं उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया एवं दीपिका दहिया ने बताया कि कहा कि बच्चे के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में विद्यालय और अभिभावकों की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

छात्राओं को सिलाई प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित

छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया

- कौशल आधारित प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनेंगी हमारी बेटियां : सुमित कक्कड़

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

गोहाना। छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए सुमित कक्कड़ और मीना वत्स। *फोटो : हरिभूमि*

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना की छात्राओं को एक माह की इंटर्नशिप पूरी होने पर शनिवार को डीसीए, डेटा एंट्री और सिलाई प्रशिक्षण के प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

प्रशिक्षण भारतीय कौशल विकास संस्थान की तरफ से कराया गया। प्रमाणपत्र संस्थान के संस्थापक सुमित कक्कड़ और प्रशिक्षण प्रमुख मीना वत्स द्वारा प्रदान किए गए। छात्राओं को कम्प्यूटर संचालन, डेटा एंट्री और अन्य व्यावहारिक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। सुमित कक्कड़ ने कहा कि इस प्रकार के कौशल आधारित प्रशिक्षण से छात्राओं के रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि संस्थान में केवल बेटियों और महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाता है, इसलिए महाविद्यालय के निकट होने का लाभ छात्राएं अधिक से अधिक उठाएं।

महाविद्यालय की प्राध्यापक डा. एकता वशिष्ठ ने छात्राओं को भविष्य में कौशल विकास से जुडक़र आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया गया।

ठेका सफाई कर्मचारियों का धरना २4वें दिन जारी, स्थायी नियुक्ति की मांग दोहराई

- टेंडर प्रणाली समाप्त कर कर्मचारियों को निगम के रोल पर लेने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सोनीपत। नगर निगम में विरोध प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

नगर निगम सोनीपत में ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच, मूल निवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ एवं सहयोग बाली सेना यूनियन के बैनर तले चल रहा धरना शनिवार को 24वें दिन में प्रवेश कर गया। धरने की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश कर्मा ने की, जबकि संचालन युधिष्ठिर सौदा ने किया।

धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि 15 जून को ठेका समाप्त होने के बावजूद सरकार कर्मचारियों की मांगों पर कोई निर्णय नहीं ले रही है। मंच ने पांच वर्ष के नए टेंडर का विरोध करते हुए मांग की कि ठेके पर कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों को नगर निगम के रोल पर लिया जाए, रोजगार की गारंटी दी जाए, समान काम के लिए समान वेतन लागू किया जाए तथा कौशल रोजगार में समायोजित किया जाए। कर्मचारियों ने कहा कि सोनीपत में ठेका प्रथा समाप्त कर हटाए गए कर्मचारियों को तुरंत विभागीय पेरोल पर लिया जाए।

एसआईआर कार्य में सुपरवाइजर भूपेंद्र सिंह दहिया की टीम ने पाया प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

खरखौदा। टीम की उपलब्धि की जानकारी देते सुपरवाइजर भूपेंद्र दहिया।

हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य में प्रशासनिक अमला दिन-रात जुटा हुआ है। खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर कार्य के दौरान सुपरवाइजर भूपेंद्र सिंह दहिया और उनकी टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में कुल 198 बीएलओ कार्यरत हैं। इनके मार्गदर्शन, निगरानी और कार्यों की समीक्षा के लिए 20 सुपरवाइजर नियुक्त हैं। प्रत्येक सुपरवाइजर के अधीन सात से दस बीएलओ कार्य कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने हरियाणा में मतदाता सूची शुद्धिकरण कार्यक्रम के तहत आगामी 14 जुलाई तक सभी गणना प्रपत्रों की जांच के बाद उन्हें पोर्टल पर अपलोड करने का समय निर्धारित किया है। सुपरवाइजर भूपेंद्र सिंह दहिया और उनके अधीन कार्यरत 10 बीएलओ ने निर्धारित समय से पहले ही 9 जुलाई को सभी गणना प्रपत्र अपलोड कर खरखौदा विधानसभा क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी टीम में गांव सैदपुर, जटौला, कतलूपुर और झिंझोली क्षेत्र के बीएलओ शामिल रहे। टीम ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद कार्य को तय समय से पहले पूरा किया।

सीएलजी कमेटी ने पारिवारिक विवाद में करवाई सुनवाई

- नशामुक्ति केंद्र से छुड़वाकर अगली सुनवाई के लिए 18 जुलाई की तिथि तय

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सोनीपत। सीएलजी बैठक के दौरान कमेटी सदस्य।

सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) कमेटी की साप्ताहिक तीसरी बैठक शनिवार को आयोजित हुई। बैठक में कमेटी सदस्य संजय सिंगला, डॉ. राजसिंह सांगवान, रमेश जैन, सतीश माथुर, सतीश कुमार, दिनेश ठेकेदार तथा शिकायत शाखा से एसआई सुनील कुमार उपस्थित रहे। बैठक में भटगांव निवासी शिकायतकर्ता कृष्ण, उसके परिजन और नशामुक्ति केंद्र के पदाधिकारी उपस्थित हुए। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद कमेटी ने आपसी सहमति से शिकायतकर्ता कृष्ण को नशामुक्ति केंद्र से छुड़वाकर परिवार के साथ भेज दिया। साथ ही नशामुक्ति केंद्र को उपचार से संबंधित पूरी फाइल प्रस्तुत करने और दोनों पक्षों को एक सप्ताह का रिपोर्ट कार्ड लेकर अगली सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी। कमेटी का उद्देश्य छोटे पारिवारिक एवं सामाजिक विवादों का आपसी सहमति से समाधान कर समाज में शांति, सौहार्द और पुलिस के प्रति जनविश्वास को मजबूत करना है।

जनसंख्या नियंत्रण आज समय की मांग

समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग उठाई

- शिक्षित और अनुशासित लोग ही किसी देश की जनसंख्या नियंत्रण कर सकते हैं : दांगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

गोहाना। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर लोगों को जागरूक करने की शपथ लेते नागरिक।

आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के तत्वावधान में शनिवार को विश्व जनसंख्या दिवस पर शहर में रोहतक मार्ग स्थित चोपड़ा कॉलोनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नागरिकों ने सरकार से पूरे देश में सभी जाति, धर्म, मजहब और सम्प्रदाय के लोगों पर समान रूप से जनसंख्या नियंत्रण कानून (समान नागरिक संहिता) लागू करने की मांग की।

मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा भारत में जनसंख्या विस्फोट ने विकराल रूप धारण कर लिया है। जनसंख्या वृद्धि गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और प्रदूषण सहित अनेक समस्याओं को जन्म दे रही है। जनसंख्या नियंत्रण आज समय की मांग है। सरकार को उन वर्गों और क्षेत्र को जनसंख्या नियंत्रण की महता से परिचित कराना होगा जहां इसके प्रति जागरूकता का अभाव है। इसके साथ जनसंख्या नियोजन के उपायों पर की प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देना होगा। आज सरकार को पूरे देश में समान रूप से सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की जरूरत है। दांगी ने कहा कि शिक्षित और अनुशासित लोग ही किसी देश की जनसंख्या नियंत्रण कर सकते हैं। भगवती प्रसाद, दीनदयाल, अरविंद आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। महापौर को ज्ञापन सौंपते सोसायटी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

वार्ड की समस्याओं को लेकर मेयर को सौंपा ज्ञापन

सोनीपत। आजाद यूथ मोर्चा चैरिटेबल सोसायटी के नवनियुक्त प्रधान प्रवीण दहिया ने शनिवार को महापौर राजीव जैन से मुलाकात कर अपने वार्ड से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं और विकास कार्यों से संबंधित मुद्दों को उठाते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। महापौर राजीव जैन ने सोसायटी के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित विभागों के माध्यम से सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने नवनियुक्त प्रधान प्रवीण दहिया को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सोसायटी के पदाधिकारी मोहित राठी, दीपक पांचाल, संदीप शर्मा तथा अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने महापौर का समय देने और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाने पर आभार व्यक्त किया।

धान की सीधी बिजाई का रकबा काफी बढ़ा

मेरी फसल मेरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाया

- खेतों में पहुंचकर वास्तविक रिपोर्ट तैयार की जाएगी, फायदे भी बताएंगे अधिकारी : राजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

गोहाना। एसडीओ डा. राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में खेतों में फसल निरीक्षण करते हुए अधिकारी।

उपमंडल क्षेत्र में इस बार धान की सीधी बिजाई का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक बढ़ा। किसानों ने मेरी फसल मेरा पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। हकीकत को जानने के लिए अधिकारियों ने खेतों में पहुंचकर निरीक्षण शुरू कर दिया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा भू-जल संरक्षण के लिए धान की सीधी बिजाई करने पर जोर दिया जा रहा है। सरकार द्वारा किसानों को प्रोत्साहन राशि भी दी दी जा रही है। इस बार उपमंडल क्षेत्र में 8 हजार एकड़ में धान की सीधी बिजाई करने का लक्ष्य रखा था। किसानों ने लगभग 44 हजार एकड़ में धान की सीधी बिजाई करने का दावा किया और पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अधिकारी अब फसल का सत्यापन करने के लिए खेतों में पहुंच रहे हैं। एसडीओ डा. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि जिन किसानों ने पंजीकरण कराया है, उन सभी के खेतों की जांच करके वास्तविक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। अधिकारी किसानों को धान की सीधी बिजाई के फायदे भी बताएंगे। डा. प्रसाद ने कहा कि धान की उन्नत किस्में बाजार में आने और नई खरपतवार नाशक दवाएं उपलब्ध होने पर धान की बिजाई में काफी हद तक खरपतवार पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सोनीपत। प्राचार्या को चेक सौंपते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

मेजर आशीर्वाद ट्रस्ट ने छात्रवृत्ति के लिए चेक सौंपा

सोनीपत। राजकीय महिला महाविद्यालय, सोनीपत में शनिवार को मेजर आशीर्वाद ट्रस्ट की ओर से मेजर आशीर्वाद छात्रवृत्ति योजना के लिए एक लाख रुपये का चेक प्राचार्या डॉ. किरण सरोहा को सौंपा गया। इस राशि से प्रत्येक संकाय के प्रथम सत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह छात्रवृत्ति इसी वर्ष शुरू की गई है और वर्ष 2025 में अपनी-अपनी संकाय में प्रथम आने वाली छात्राओं को इसका लाभ दिया जा चुका है। प्राचार्या डॉ. किरण सरोहा ने कहा कि इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्राओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और अन्य छात्राएं भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगी। सामाजिक संगठनों से भी महाविद्यालय में आजीवन छात्रवृत्तियां शुरू करने का आह्वान किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष एम.के. गॉड ने कहा कि मेजर आशीर्वाद गौर की स्मृति में शुरू की गई यह पहल युवा एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देगी। इस अवसर पर डॉ. वंदना नासा, डॉ. नवीन वशिष्ठ, डॉ. रेखा, डॉ. राजेश भारद्वाज और राकेश भी उपस्थित रहे।

हथनी कुंड बैराज से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण किसानों का नुकसान

ठोकर का निर्माण पूर्ण होने से दो किसानों की जमीन में कटाव

पबनेरा गांव में 3 करोड़ की लागत से निर्माणधीन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| गन्नौर

गन्नौर। पबनेरा गांव में निर्माणधीन ठोकर का निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण यमुना में कटी जमीन व ठोकर निर्माण के लिए यमुना किनारे पड़े पत्थर। *फोटो :हरिभूमि*

हिमाचल प्रदेश में हो रही बरसात के कारण अधिक पानी आने से हथनी कुंड बैराज से इस समय पहले की तुलना में अधिक पानी छोड़े जाने के कारण पबनेरा गांव में 3 करोड़ की लागत से निर्माणधीन ठोकर का निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। वही यमुना के साथ लगती जमीन में भी पानी आने से थोड़ा बहुत कटाव भी होना शुरू हो गया है। किसान प्रेम ने बताया कि उनकी और बिट्टू की जमीन में करीब 10 फीट तक जमीन का कटाव हो गया है। किसानों का कहना है कि अगर यमुना में और ज्यादा पानी आ जाता है तो पिछले साल की तरह किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुख्ता सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए तो बड़े पैमाने पर कृषि भूमि का नुकसान हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार, पबनेरा में यमुना किनारे कटाव रोकने के लिए करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से 10 ठोकर के निर्माण को गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान द्वारा पिछले साल यमुना में हुए नुकसान का मामला विधानसभा में उठाने के बाद उनके प्रयास से निर्माण की स्वीकृति मिली थी। थे समय में निर्माण कार्य पूरा करने के लिए विधायक ने ठोकर निर्माण कार्य का भी शुभारंभ कर दिया था। लेकिन अभी थे समय में कार्य पूरा नहीं हो सका। किसानों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित समय का पालन नहीं किया गया। गौरतलब है कि पिछली बार यमुना में बहुत ज्यादा पानी आने के कारण दर्जनों किसानों की सैकड़ो एकड़ जमीन में यमुना के बढ़ते जलस्तर के चलते खेतों का लगातार कटाव हो गया था।

पत्थर की सप्लाई व बरसात से ठोकरों का काम लेट : एक्सईएन

नहरी विभाग के एक्सईएन नितिन भट्ट ने बताया कि पबनेरा गांव में करीब 3 करोड़ की लागत से 10 टोकरो का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, जिन ठोकरो का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है । वे ठोकर पीछे से पत्थर की सप्लाई न होने के कारण काम पूरा नहीं हो पाया। उसके बाद बरसात के कारण दो-तीन दिन काम प्रभावित रहा। सभी ठोकरो का निर्माण कार्य पूरा होने का समय 9 जुलाई का था ।अब शीघ्र ही निर्माण कार्य पूरा करवा लिया जाएगा पीछे से यमुना में जो पानी छोड़ा गया है अब धीरे-धीरे कम होता चला जाएगा।

सफाई को लेकर रि-टेंडर जारी, फिर भी लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे शहरवासी

■ कॉलोनी वासियों ने नगर निगम आयुक्त को शिकायत देकर नियमित रूप से कूड़े का उठान करवाने की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सोनीपत के विशाल नगर में नियमित कूड़ा उठान न होने पर रोष जताते स्थानीय लोग। फोटो : हरिभूमि

नगर निगम की ओर से शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए एजेंसी को रि-टेंडर जारी कर दिया गया है। एजेंसी को शहर के लाइन पार पुराने शहर स्थित पश्चिमी क्षेत्र के लिए 6 माह, बल्कि नए शहर पूर्वी क्षेत्र के लिए 8 माह का रि-टेंडर जारी हुआ है। निगम की ओर से टेंडर जारी करने के बावजूद शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पा रही है। लोगों का आरोप है कि एजेंसी कर्मचारियों की लापरवाही का खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। इसी को लेकर विशाल नगर वासियों ने मामले की शिकायत नगर निगम आयुक्त को दी है। आरोप है कि क्षेत्र में सफाई कर्मी नियमित रूप से कूड़ा उठान के लिए नहीं पहुंच रहे हैं। विभिन्न जगह लगे कूड़े के ढेर, नियमित सफाई व कूड़ा उठान न होने के कारण स्वच्छता अभियान को ठेंगा दिखाया जा रहा है। बता दें कि नगर निगम व सफाई एजेंसी के बीच 15 जून को समझौता खत्म होने, नई शर्तों पर करीब डेढ़ माह तक टेंडर न होने के कारण शहरवासी जगह-जगह लगे कूड़े के ढेरों से परेशान थे। इसके बाद सरकार ने नगर निगम की मांग पर पुरानी शर्तों पर शहर की सफाई का री-टेंडर लगाने की अनुमति दे दी है। अब निगम ने पुरानी शर्तों के आधार पर रि-टेंडर जारी कर दिया है, लेकिन शहर को स्वच्छ बनाने के दावे हवाहवाई साबित हो रहे हैं। उधर निगम अधिकारी शहर में 5 साल के लिए सफाई टेंडर प्रक्रिया की अधेड़ बुन में जुटे हैं। इस बीच एजेंसी के कर्मचारियों पर कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। विशाल नगर निवासी भानेराम, अनूप सिंह, सतनारायण, सुनील, शीला, मूर्ति देवी, धनपति, कमलेश, महक, योगेश, मीना ने निगम कार्यालय में दी शिकायत में आरोप लगाया कि विशाल नगर वासी नियमित रूप से क्षेत्र में कूड़ा उठान नहीं होने से परेशान हो चुके हैं। एक सप्ताह से क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की गाड़ी रोजाना नहीं पहुंच रही है। हर माह केवल 5-6 दिन ही कूड़ा उठान कर्मी विशाल नगर में पहुंच रहे हैं। ऐसे में घरों में कचरे के ढेर कई-कई दिन तक जमा रहते हैं। बारिश के मौसम के चलते कूड़े पर मक्खी-मच्छर पनपने से संक्रमण, डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता है।

सिटी पल्स

क्या बोले शहरवासी

विशाल नगर करीब एक सप्ताह से कूड़ा उठान की समस्या बनी है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठान की गाड़ियां कई-कई दिन क्षेत्र में नहीं पहुंच रही हैं। मांग है कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही की जाए। उन्हें हर माह मिलने वाले वेतन में कटौती की जाए, ताकि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को लेकर सुधार हो सके।
कृष्ण कुमार, विशाल नगर

नगर निगम कार्यालय में कई बार शिकायत देकर नियमित कूड़ा उठान की मांग की जा चुकी है, लेकिन क्षेत्र वासियों की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। खासकर विशाल नगर की गली नंबर 8, वेद वाटिका, सूरी पेट्रोल पंप वाली गली में लगाए गए डोर-टू-डोर गाड़ी चालक व परिचालन को बदला जाए। इन कर्मचारियों की जगह अन्य कर्मियों की नियुक्ति की जाए, ताकि समाधान हो सके।
हरदीप सिंह, विशाल नगर

री-टेंडर जारी

शहर की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एजेंसी को कुछ समय के लिए री-टेंडर जारी किया गया है। शहर के लाइन पार क्षेत्र के लिए 6 माह और पूर्वी क्षेत्र के लिए 8 महीने का री-टेंडर हुआ है। अगर फिर भी कर्मचारी कूड़ा उठान में लापरवाही बरत रहे हैं, तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। **राजीव जैन, मेयर, नगर निगम, सोनीपत**

खबर संक्षेप

मासिक वैदिक सत्संग समारोह आज

गोहाना। आर्य समाज गोहाना मंडी का मासिक वैदिक सत्संग समारोह 12 जुलाई को प्रातः 8 बजे हवन के साथ प्रारंभ होगा। समारोह में प्रातः 11 बजे तक प्रवचन होंगे। मुख्य वक्ता रोहतक से आचार्य वेदमित्र होंगे और अध्यक्षता आर्य समाज गोहाना मंडी इकाई के अध्यक्ष धर्मपाल आर्य की होगी। सत्संग समारोह के बाद ऋषि लंगर आयोजित होगा।

टीटू धर्मशाला में रक्तदान शिविर आज

गोहाना। शहर के मुगलपुरा स्थित टीटू धर्मशाला में 12 जुलाई को रक्तदान शिविर आयोजित होगा। शुकराना गुरु महाराज के जन्मदिवस पर आयोजित इस शिविर की अध्यक्षता कृष्ण वसूजा करेंगे और संयोजन पंकज राहूजा का रहेगा। आयोजन समिति में राहुल डुडेजा, हरीश, रविंद्र खासा, रवि खिवानी, विशाल गांधी, सौरभ और जोनू मनचिंदा अपनी सेवाएं देंगे। शिविर प्रातः 10 बजे से सायं 2 बजे से तक आयोजित होगा। शिविर में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को केस्ट्रोल सेट देकर सम्मानित किया जाएगा।

कालूपुर की कॉलोनियों में जलभराव की समस्याओं का जल्द होगा समाधान

गांव लहराड़ा में पाइप लाइन के जरिये अस्थाई तौर पर पानी को पहुंचाने का निर्णय

मोहन नगर, बाबा कॉलोनी, कीर्ति नगर वासियों को भी मिलेगी निजात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ककरोई रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते मेयर राजीव जैन।

लाइन पार क्षेत्र में काठ मंडी से लेकर कालूपुर चौक, इंडस्ट्रियल एरिया तक सीवरेज जाम व जलभराव जैसी समस्याओं को लेकर परेशानी झेलते आ रहे विभिन्न कॉलोनी वासियों के लिए राहत भरी खबर है।

नगर निगम ने अब मोहन नगर, बाबा कॉलोनी, कीर्ति नगर, कालुपुर क्षेत्र की सीवरेज जाम संबंधी की समस्या के समाधान के लिए गांव लहराड़ा में मिनी बाईपास पर मोटर लगाकर नई बिछाई गई लाइन के जरिये अस्थाई तौर पर पानी को पम्पिंग स्टेशन तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। इससे विभिन्न कॉलोनीवासियों को सीवरेज जाम व जगह-जगह होने वाले दूषित जलभराव की समस्या से जल्द निजात मिलती नजर आएगी। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने शनिवार को ककरोई रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दौरे के बाद उन्होंने बताया कि ककरोई रोड पर मोटर डालने के बाद यह प्रयोग सफल नजर आ रहा है। अब ट्रीटमेंट प्लांट पर पानी दो गुणा मात्रा में पहुंचने लगा है। इसके बाद मेयर ने गोहाना रोड स्थित कॉलोनियों की गलियों का निरीक्षण किया, तो यहां सीवरेज का पानी गलियों में खड़ा होने की समस्या का काफी हद तक समाधान नजर आया। राजीव जैन ने बताया कि लहराड़ा मिनी बाईपास पर डाली गई पुरानी सीवरेज लाइन अब क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यही कारण है कि ककरोई रोड पम्पिंग स्टेशन तक बहुत कम मात्रा में पानी पहुंच रहा है। फिलहाल नगर निगम ने मिनी बाईपास के एक मैनहोल में पंप लगाकर ही दूषित पानी को आगे तक पहुंचाने की योजना तैयार की है। इसके लिए लहराड़ा बाईपास पर नई पाइपलाइन डाली जा चुकी है। फिलहाल एक डिस्पोजल बनाने का कार्य तेजी से चल रहा है। डिस्पोजल का निर्माण पूरा होने तक मोटर के जरिये पानी निकालने की वयवस्था की जाएगी, ताकि विभिन्न कॉलोनियों में भराव होने वाले दूषित पानी की समस्या से लोगों को छुटकारा दिलाया जा सके। वहीं मेयर ने पुराने औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर लगे कूड़े के ढेर को डोजर मशीन व ट्रैक्टर मंगवाकर अपनी निगरानी में उठवाकर सफाई करवाई, ताकि शहर को साफ-सुथरा बनाया जा सके।

गन्नौर। निर्माण कार्य का विधायक देवेंद्र कादियान नगरपालिका अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

लहरी सिंह पार्क का निर्माण तेज करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहर के लहरी सिंह पार्क को लगभग 2.5 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। निर्माण कार्य का विधायक देवेंद्र कादियान ने नगरपालिका अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता बनाए रखने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि लहरी सिंह पार्क उनके ड्रीम प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इसे गन्नौर का पहला आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त पार्क बनाया जाएगा, जहां बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पार्क में आधुनिक किड्स जोन, झूले, खेल उपकरण, पार्किंग, वॉकिंग ट्रैक और बैठने की बेहतर व्यवस्था विकसित की जाएगी। फिलहाल चारदिवारी के साथ क्रिकेट बॉक्स का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्य को चरणबद्ध तरीके से करने के बजाय जहां संभव हो, उससे जुड़े अन्य कार्य भी एक साथ शुरू किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी लापरवाही या घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सात छात्राओं का विवि मेरिट में स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। मेरिट में स्थान बनाने वाली छात्राओं के साथ प्राचार्या। **फोटो : हरिभूमि**

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज के एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर मई-2025 परीक्षा परिणाम में महाविद्यालय की सात छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया है। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी ने महाविद्यालय की छात्राओं की इस उल्लेखनीय और शानदार उपलब्धि पर छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके भविष्य की मंगल कामना की। विश्वविद्यालय द्वारा जारी मेरिट सूची के अनुसार छात्रा जहान्वी ने 88% प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल किया। छात्रा कविता ने 86.25% के साथ चतुर्थ स्थान, छात्रा नीरज ने 86.17% के साथ पंचम स्थान, छात्रा निशा ने 85.92% के साथ छठा स्थान तथा छात्रा नियति कंबोज ने 85.25% प्राप्त कर सप्तम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त छात्रा माहेक चुघ एवं छात्रा शिखा ने 83.67% अर्जित कर संयुक्त रूप से 15वां स्थान प्राप्त किया। प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सभी मेधावी छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्राओं की कड़ी मेहनत, अनुशासन, निरंतर अध्ययन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। पी.जी. कॉमर्स विभागाध्यक्ष डा. महिमा हुड्डा, रुचिका वर्मानी, वंदना, मीरा, किर्ती तथा रश्मि ने भी सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

जनता विद्या भवन बुटाना की टीम ने कब्जाई ट्रॉफी

गोहाना। जनता विद्या भवन, बुटाना में पहली बार राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 114 टीमों के बीच कड़े मुकाबले हुए। विजेता टीमों को ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में 45 किलोग्राम भारवर्ग में मेजबान जनता विद्या भवन, बुटाना की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त करके ट्रॉफी कब्जा ली। सक्षम सांगवान को सर्वश्रेष्ठ रेडर व अनिकेत को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुना गया। प्रतियोगिता के आयोजन में संस्थान के मुख्य संरक्षक जयदीप सांगवान, अध्यक्ष अजीत सिंह सांगवान, सचिव रामनिवास सांगवान, संयुक्त सचिव कृष्ण सांगवान, कोषाध्यक्ष राजेंद्र किंडू, दिलीप सिंह, ईश्वर सिंह, आजाद सांगवान, कुलबीर सांगवान, वेदपाल मलिक, संदीप सांगवान, संदीप गंगाना, डॉ. मंजीत सिंह, मुख्याध्यापक कृष्ण व डॉ. एमएस हुड्डा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों का विशेष सहयोग रहा। संचालन टीम में डॉ. रविंद्र सांगवान के साथ सौरभ सांगवान, जगबीर, सुवीन एवं कीर्ति शामिल रहे।

सोनीपत। विजेता एवं उप विजेता टीमों को सम्मानित करते हुए संस्थान प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

आधुनिक आधार सेवा केन्द्र शुरू, अब स्थानीय स्तर पर मिलेंगी सभी सेवाएं

■ मेयर राजीव जैन ने किया शुभारंभ, बुजुर्गों और दिव्यांगों को घर बैठे भी मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। सेवा केंद्र का उद्घाटन करते हुए मेयर राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की ओर से शनिवार को ओल्ड महावीर कॉलोनी, पुरखास रोड पर अत्याधुनिक आधार सेवा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने मुख्यातिथि के रूप में केन्द्र का उद्घाटन कर वहां उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं और सेवाओं का निरीक्षण किया। मेयर राजीव जैन ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के तहत यह केन्द्र सोनीपत के नागरिकों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगा। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यूआईडीएआई के निदेशक कर्नल हरमीत सिंह कपूर ने बताया कि केन्द्र सप्ताह के सातों दिन सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुला रहेगा। यहां आधुनिक टोकन सिस्टम, पर्याप्त बैठने की व्यवस्था और प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम तैनात रहेगी। उन्होंने बताया कि अब आधार से जुड़े अधिकांश जटिल मामलों के लिए चंडीगढ़ जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

मोटरसाइकिल चोरी मामले में दूसरा आरोपित भी गिरफ्तार

■ शहर थाना पुलिस ने न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

सोनीपत। शहर थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव भादी निवासी सुरेंद्र पुत्र शेर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार न्यू कबीरपुर निवासी अभय ने 3 जुलाई को शिकायत दी थी कि वह अपनी मोटरसाइकिल लेकर सोनीपत कोर्ट गया था। दोपहर बाद लौटने पर उसकी मोटरसाइकिल पार्किंग से चोरी मिली। शिकायत के आधार पर शहर थाना में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान मुख्य सिपाही कपिल की टीम पहले ही एक आरोपित फुल कुमार पुत्र राजपाल निवासी जसबीर कॉलोनी, पानीपत को गिरफ्तार कर चुकी थी। आगे की जांच में सुरेंद्र की संलिप्तता सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा

बाढ़ प्रबंधन की सभी तैयारियां रखें दुरुस्त : उपायुक्त

अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के दौरान कहीं भी लंबे समय तक पानी जमा न रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। बैठक में उपस्थित अधिकारीगण।

मानसून के दौरान संभावित जलभराव और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार देर रात मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक कर बाढ़ प्रबंधन और जल निकासी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बरसात के दौरान कहीं भी लंबे समय तक पानी जमा न रहे और निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक के बाद उपायुक्त नेहा सिंह ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि जिले में जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। उन्होंने कहा कि संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए तथा ड्रेनों में किसी प्रकार का अवरोध मिलने पर उसे तुरंत हटाकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए। सिंचाई विभाग, नगर निगम, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग और अन्य एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने यमुना नदी क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने, बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त क्षमता वाले पंप सेट, जनरेटर और अन्य उपकरण उपलब्ध रखने तथा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए अधिकारियों की ड्यूटी पहले से तय करने को कहा। उन्होंने बाढ़ प्रबंधन में उपयोग होने वाली मशीनरी, नावों, पंपिंग सेट और जनरेटर की नियमित जांच के साथ कंट्रोल रूम और आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अनमोल, जिला राजस्व अधिकारी सुशील शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रजिस्ट्री अनियमितता में कल होगी सुनवाई

गन्नौर। गन्नौर तहसील में रजिस्ट्री अनियमितताओं और अवैध कालोनियों से जुड़े मामले की सुनवाई अब 13 जुलाई को होगी। इससे पहले तय तिथि पर शिकायतकर्ता सहदेव शर्मा के उपस्थित नहीं होने के कारण सुनवाई टालनी पड़ी थी। सुनवाई के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक रिकार्ड सहित बुलाया गया था, लेकिन शिकायतकर्ता के अनुपस्थित रहने से मामले पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। अब एसडीएम प्रवेश कादियान ने मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी है। एसडीएम प्रवेश कादियान ने बताया कि सभी संबंधित पक्षों को निर्धारित तिथि पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।